भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 26

जिसका उत्तर सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक) को दिया गया

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण बैंकों में किसानों के समक्ष समस्याएं

26. **श्री देवेश शाक्य:**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 1 मई, 2025 को बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक का विलय कर "उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक" का गठन किया गया था;

(ख) क्या इटावा, एटा, कासगंज, मुरादाबाद और अमरोह के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को सरकारी योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के लिए अपने बैंकों में बैंक कोड, शाखा डेटा आदि के अद्यतन न होने जैसी तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ता है;

(ग) यदि हाँ, तो क्या सरकार ऐसी समस्याओं से अवगत है और इन समस्याओं का समाधान कब तक होने की संभावना है; और

(घ) क्या सरकार ने किसानों को योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने के उद्देश्य से इन समस्याओं के समाधान के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) : केंद्र सरकार ने 5 अप्रैल 2025 के राजपत्र अधिसूचना का.आ. 1634(अ). के तहत बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के एकल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अर्थात उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, में विलय को अधिसूचित किया है, जिसका प्रधान कार्यालय लखनऊ में और बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजकत्व में है, जो कि 1 मई 2025 से प्रभावी है।

(ख) से (घ): सरकार ने समामेलन कार्यक्रम के कार्यान्वयन का पर्यवेक्षण करने और उसकी निगरानी के लिए राज्य स्तरीय निगरानी समिति (एसएलएमसी) और राष्ट्र स्तरीय परियोजना निगरानी इकाई (एनएलपीएमयू) का गठन किया है। ग्रामीण ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए एनएलपीएमयू ने सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को विभिन्न संचार चैनलों (इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, ग्राहकों को एसएमएस, शाखा स्तर पर ग्राहक जागरूकता बैठक आदि) के माध्यम से समामेलन का पर्याप्त प्रचार करने की सलाह दी है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को ग्राहकों की शिकायतों के निपटान के लिए कॉल सेंटर स्थापित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी गई है। नाबार्ड द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, सभी शाखाएं नई संस्थाओं के अंतर्गत कार्य कर रही हैं और बैंकिंग सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित कर रही हैं। ग्राहक खातों, जमा और ऋणों का अंतरण बिना किसी बड़े व्यवधान के किया जा रहा है।

******